उड़ी उड़ी जाए

अरे उड़ी उड़ी उड़ी.. उड़ी जाये..
उड़ी उड़ी जाए, उड़ी उड़ी जाए
दिल की पतंग देखो उड़ी उड़ी जाए
उड़ी उड़ी जाए, उड़ी उड़ी जाए
दिल की पतंग देखो उड़ी उड़ी जाए
कहने को तो खेल है ये, तेरा मेरा साँझा
पर मेरा दिल है पतंग और, तेरी नज़र मांझा
मांझे से लिप्टी है पतंग, जुड़ी जुड़ी जाए
उड़ी उड़ी जाए, उड़ी उड़ी जाए
दिल की पतंग देखो उड़ी उड़ी जाए

[दो दिल उड़े, दो दिल उड़े ऊँचे आसमानों में जुड़े..] x 2
मुझे कब था पता इसका
तेरे प्रेम का इक तारा मन में
यूँ पल पल बाजेगा
मुझे कब थी खबर इसकी
मेरे मन की सिंघासन पर तू
सदा को यूँ बिराजेगा
कोई भी कठिनाई हो या, कोई हो मज़बूरी
तेरे मेरे इक भी पल, होवे नहीं दूरी
माझे से लिप्टी ये पतंग, जुड़ी जुड़ी जाए
उड़ी उड़ी जाये ... X2

Gugrati Part

मेरे जीवन के गल्ले में
तेरा प्यार ही तो मेरा धन है
तू है तो धनवान हूँ मैं हो..
प्रेम के इस मोहल्ले में
मेरा घर तेरा ही तो ये मन है
की तेरी मेहमान हूँ मैं, हाँ
जैसे सुगंध फूल के संग
चाँद के संग किरण
जैसे रस्सा दारु के संग
बाम के संग रगन
माझे से लिप्टी ये पतंग जुडी जुडी जाए
उड़ी उड़ी जाये उड़ी उड़ी जाये
दिल की पतंग देखो उड़ी उड़ी जाए
ये जो पतंग है तेरे ही संग है
तेरी ही और देख मुड़ी मुड़ी जाए
दो दिल उड़े, दो दिल उड़े
ऊँचे आसमानों में जुड़े..
दो दिल उड़े, दो दिल उड़े
ऊँचे आसमानों में जुड़े..
अरे उड़ी उड़ी उड़ी.. उड़ी जाये.. उड़ी उड़ी जाये..